सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२
सत्र:2026-27

कक्षा:-7 **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:10 हिम्मती सुमेरा**

(हिम्मती सुमेरा)

बोलकर

(क) एक दिन शाम को खाना खाकर सुमेरा पढ़ रहा था। तभी देखा तीन-चार आदमी उसके पिता को उठाकर लिए चले आ रहे हैं। पता चला कि पहले तो उसके पिता का बहुत जोरों से सिर चकराया, फिर वह बेहोश हो गए। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल उठा कर ले गए। उन्हें लकवा मार गया था।

(ख) सुमेरा ने मास्टर साहब से कुछ रुपए माँगे क्योंकि उसे वे रुपए काम करने के लिए उधार चाहिए थे। वह उन रूपयों से फलों की टोकरी खरीद कर बाजार में उन फलों को बेचकर कुछ पैसे कमाना चाहता था।

(ग) सुमेरा ने मंडी में साइकिल वाले को रुपए देने से इंकार इसलिए कर दिया, क्योंकि उसने कहा कि यदि मैं तुम्हें दो रुपए दूँगा तो हम खाएँगे क्या? और फिर मैं मुफ़्त में तुम्हें दो रुपए क्यों दूँ?

(घ) सुमेरा का सामान कमेटी की गाड़ी में आए हुए लोगों ने छीना, क्योंकि सुमेरा ने अपनी साइकिल से फल बेचने के बदले कमेटी के लोगों को रुपए नहीं दिए थे।

लिखकर

(लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर)

(क) सुमेरा के पिता ने उसके अंदर सच्चाई व ईमानदारी के गुण विकसित किए। उन्होंने उसे बताया कि चोरी, झूठ, बेईमानी से बढ़कर कोई पाप दुनिया में नहीं है।

(ख) सुमेरा राजा साहब की कोठी पर कमेटी के आदमी की शिकायत करने गया था।

(ग) शाम को जब वह गाड़ी वापस आई तब वह फिर से गाड़ी के पास भागा, परंतु ड्राइवर ने उसे फटकार दिया। लेकिन राजा साहब ने उसे कोठी के अंदर आने को कहा और तब उसने अपनी सारी समस्या उनको बताई।

(घ) सुमेरा के कठिन परिश्रम का यह परिणाम हुआ कि उसका कारोबार आगे बढ़ गया।ण

(ङ) बस अड्डे के उस रास्ते में राज निवास पड़ता था।

(च) सुमेरा को राज निवास में जाते समय पहरेदारों ने रोका था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) सुमेरा को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जब वह छोटा ही था तो उसके पिता को लकवा मार

गया। उसके बाद जब वह फल बेचने गया तो लाइसेंस न होने के कारण कमेटी के आदमी ने उसके फल छीन लिए और बाद में जब वह राजा साहब से शिकायत करने गया तब भी उसे मिलने नहीं दिया गया। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और वह सब कठिनाइयों को पार करने में सफल हो गया।

(घ) राजा साहब ने सुमेरा को उसकी हिम्मत के लिए दस रुपए का एक नोट इनाम में दिया तथा अगले दिन उसे लाइसेंस बनवा कर दिया और साथ में 100 रुपए दिए। उन्होंने सुमेरा की मदद इसलिए की क्योंकि उन्हें वह हिम्मत वाला और सच बोलने वाला लड़का लगा।

(ङ) हमें विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धैर्य और हिम्मत बनाए रखनी चाहिए। हमें निर्भीक होकर सच का सामना करना चाहिए।

पठित गद्यांश

(क) पाठ हिम्मती सुमेरा लेखिका मन्नू भंडारी।

(ख) गाड़ी निकालने पर दोनों पहरेदारों ने गाड़ी में बैठे व्यक्ति को सलाम ठोका।

(ग) सुमेरा ने यह निर्णय लिया कि राजा साहब गए हैं तो लौटकर भी आएँगे। मैं आजराजा साहब से मिले बिना, उन्हें अपनी बात बताए बिना यहाँ से हिलूँगा भी नहीं।

(घ) समाज में सम्मानित लोगों को सब कोई सलाम ठोकते हैं।

(ङ) समझदार, मसालेदार।